सुनिश्चित करने के लिये सभी प्रयास कर रही है । कोयला प्राकृतिक रूप में स्लेट/पत्थर आदि के शैडों में परतों से जुड़ा रहता है । अधिक प्रयास किए जाने के बावजूद भी खनन तथा रख-रखाव की प्रक्रिया में कोयले से स्लेट/पत्थर आदि को पूर्णतया पृथक करना सदैव संभव नहीं है। किन्तु, बाहरी सामग्री से मुक्त कोयले का प्रेषण सुनिश्चित करने के ध्येय से कोयला कंपनियों ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्न-लिखित कदम उठाए हैं तथा उठा रही हैं :—

(1) लदान से पूर्व कोयले से पत्थर/अवशिष्ट सामग्री को चुनने के लिए व्यवस्था की गई है ।

(2) गुणवत्ता वाले कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए फीडर ब्रेकस तथा कोयला रख-रखाव संयंत्रों को स्थापित करने के लिए एक कार्य योजना कार्यान्वित की जा रही है ।

(3) स्लेट तथा पत्थर के टुकड़े चुनने के लिए कोयला रख-रखाव संयंत्रों में धीमी चाल की पिकिंग बैल्ट मुहैया की जा रही है ।

(4) उपभोक्ताओं को गुणवत्ता आदि की संतोषप्रदता के लिए स्वयं लदान स्थल पर ही अपने लदान का पर्यवेक्षण करने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है ।

(5) कोयले की गुणवत्ता को बनाये रखने तथा कामगारों के पर्यवेक्षकों तथा रेलवे स्थल पर कार्यरत अधिकारियों के बीच जागरुकता का विकास करने के लिए लदान के समय अच्छा पर्यवेक्षण सुनिश्चित किया जा रहा है ।

(6) उपभोक्ताओं की शिकायतों को दूर करने के लिए कोयला कंपनियों ने भी कोयला उपभोक्ता परिषदों का गठन किया है । किसी तरह की शिकायतें, जिसमें कोयले के संबंध में शिकायतें भी शामिल हैं, इन परिषदों के सामने प्रस्तुत की जा सकती हैं ताकि उपभोक्ताओं की शिकायतों को निपटाने के लिए उपचारात्मक कार्यवाही की जा सके ।

**कोयले के मूल्यों में वृद्धि के परिणाम**

1795. **श्री शंकर दयाल सिंह :**
**श्री कृष्ण कुमार बिरला :**

क्या **कोयला** मंत्री 25 जुलाई, 1994 को राज्य सभा में तारांकित प्रश्न 19 के दिए गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कोयले के मूल्यों में हुई वृद्धि का कोयला क्षेत्रों में चल रहे कोयले की तस्करी के बहुत बड़े रैकेट के साथ कोई संबंध है;

(ख) कोयले के मूल्यों में वृद्धि करने के संबंध में क्या-क्या बाध्यतायें हैं ; और

(ग) उपभोक्ता उद्योग पर तथा अन्तिम उत्पादन लागत और आदानों के बाजार मूल्यों पर इसका क्या समग्र प्रभाव पड़ा है ?

**कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा)** (क) जी, नहीं ।

(ख) और (ग) औद्योगिक लागत तथा ब्यूरो द्वारा निर्धारित किया गया वृद्धि फार्मूला के आधार पर, कोयले की कीमतों में संशोधन किया जाना अपेक्षित हो गया था, चूंकि फार्मूला में विभिन्न आयातों के विभिन्न सूचकांक में ऊपरी और वृद्धि हो गई थी तथा संराशिकृत किया जाना अपेक्षित था।

महत्वपूर्ण उद्योगों पर दिनांक 17-6-1994 से प्रभावी की गयी कीमतों की वृद्धि का अनुमान नीचे दिया गया है :—

| | | |
|---|---|---|
| 1. | इस्पात | रू. 68.51 प्रति टन |
| 2. | सीमेंट | रू. 5.00 प्रति टन |
| 3. | विद्युत | रू. 1.40 पैसा/कि.वा. प्रति घंटा |
| 4. | थोक बिक्री मूल्य सूचकांक | 0.13 प्रतिशत |

कोल इण्डिया लि० तथा उसकी सहायक कम्पनियों के लिये वर्ष 1993–94 के लिये कोयले का उत्पादन औसत यूनिट लागत 364.65 रु. प्रति टन होने का अनुमान लगाया गया है। यूनिट लागत उत्पादन के वृद्धि मुख्यत: निम्न के कारण हुई—वेतन एवं मजदूरी (39.26%), भण्डारण (15.92%), ब्याज (11.22%) / (मूल्य ह्रास 11.21%), विद्युत (7.59%), प्रशासन (4.8%), तथा अन्य (10%)/आगतों की विपणन कीमत कोयल की कीमतों में विभिन्न लागत सूचकांकों के माध्यम से प्रदर्शित होती है।

**Installation of electronic weighbridges in CIL**

1796. SHRI NILOTPAL BASU:

SHRI M. A. BABY:

Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) the details of in motion electronic weighbridges installed in the colliery sidings of subsidiaries of Coal India Ltd. with break-up of mechanical and electronic, with printout system weighbridges, company-wise;

(b) the percentage of the weighbridges and percentage of unweighed coal despatches to power stations, company-wise. and

(c) the refund made against the unweighed consignments or ground to short receipt of coal by power houses?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA): (a) According to information furnished by Coal India Limited (CIL), the details of weighbridges with electronic printout systems installed in the colliery sidings of subsidiaries of CIL with break up between mechanical and electronic weighbridges are as under:

| Company | Mechanical weighbridges having electronic printout systems | Electronic weighbridges with electronic printout systems |
|---|---|---|
| ECL . | 15 | 2 |
| BCCL. | 10 | 6 |
| CCL . | 13 | 13 |
| NCL . | — | 6 |
| WCL . | 4 | 14 |
| SECL | 20 | 6 |
| MCL . | — | 3 |

(b) The company-wise percentages of coal despatched to power stations during the year 1993-94 which was weighed and which was not weighed at the colliery end were as under:—

| Company | Percent of weighed Despatch | Percent of unweighed Despatch |
|---|---|---|
| ECL . | 95.2 | 4.8 |
| BCCL. | 85.9 | 14.1 |
| CCL . | 67.3 | 32.7 |
| NCL . | 76.0 | 24.0 |
| WCL . | 81.0 | 19.0 |
| SECL | 73.4 | 26.6 |
| MCL | 23.8 | 76.2 |

(c) Large amounts are outstanding to CIL from Power Houses both under undisputed and disputed heads. The disputed amounts include the refund claims raised by power houses on account of short receipt of coal at destination. CIL have informed that they have not accepted these refund claims.